नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

मिलावट पर सुप्रीम टिप्पणियां महत्वपूर्ण

तिरुपति के प्रसाद का विवाद इन दिनों सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के कारण चर्चित है. सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है. सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान खाद्य मिलावट के मामले में भी अनेक तरह की टिप्पणियां की हैं .दरअसल,भारत में बढ़ती आबादी के कारण और मांग एवं आपूर्ति में अंतर के चलते प्राय- खाद्य वस्तुओं की किल्लत और दामों में बढ़ोत्तरी होती ही रहती है और इसी किल्लत का फायदा जमाखोरों और मिलावट खोरों की टोलियां उठाने से नहीं चूकती हैं, तो वहीं घटिया एवं मिलावटी चीजें बेचने वालों की पौ बारह हो जाती है.

भारत में इन दिनों तिरुमला तिरुपति देवस्थानम द्वारा श्रद्धालुओं को दिए जाने वाले लड्डुओं को मिलावटी देसी घी से बनाने से भक्तों की धार्मिक आस्था आहत होने का मुद्दा भी चर्चा में है .दरअसल,भारत में मिलावट का कारोबार उस स्तर को पार कर चुका है जहां खाद्य उत्पादों में सस्ते और घटिया पदार्थ मिलाकर बेईमान व्यापारी व विक्रेता सामान की मात्रा को बढ़ा देते हैं और भारतीयों की जान की कीमत पर भारी मुनाफा कमाते हैं.

ऐसा अनुमान है कि 60 करोड़ लोग अर्थात विश्व में लगभग 10 में से 1 व्यक्ति हर वर्ष दूषित भोजन खाने के कारण बीमार पड़ते हैं तथा 420000 लोग मर भी जाते हैं .भारत में दूध और डेयरी उत्पाद, वसा और तेल, फल और सब्जियां, अनाज, कॉफी, चाय, शहद और मसाले आदि सहित लगभग हर खाद्य सामग्री में मिलावट का प्रतिशत अत्यधिक बढ़ गया है और स्वच्छता मानकों की बुरी तरह से अनदेखी हो रही है. इतना ही नहीं, भारत के कई क्षेत्रों से ऐसे भी वीडियो की सोशल मीडिया में भरमार हो रखी है जिसमें समोसे, चाट, ब्रेड, कुल्फी, प्लास्टिक के चावल और गुलाब जामुन से भरी कड़ाही में पेशाब करते युवक और गोल गप्पे वाले जलजीरा पानी से ही हाथ मुंह धोने, गंदे हाथ पैरों से आलू और आटा गूंथने जैसे कृत्यों द्वारा गंदगी से परिपूर्ण खाद्य सामग्री आम लोगों को परोसी जा रही है. ऐसे कृत्य न केवल निंदनीय हैं अपितु दोषी लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग भी करते हैं .

सवाल उठता है कि आखिर ऐसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों को तत्काल जेल की सलाखों के पीछे क्यों नहीं डाला जाता है? विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण चिकित्सा व्यय में हर साल 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है. भारत सरकार मिलावट रोकने के लिए व्यापक प्रबंध कर रही है लेकिन यह मामला इतना बड़ा और मिलावट का माफिया इतना शक्तिशाली है कि सारे प्रयास नाकाफ़ी साबित होते हैं.

बहरहाल,भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 'ईट राइट इंडिया' अभियान के माध्यम से सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और पोषक भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास शुरू किया है .खाने-पीने के शौकीन अथवा महानगरों में नौकरी आदि के चलते कम मूल्य लागत वाला भोजन तलाशने वाले भारतीयों के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि स्वाद एवं सस्ते के चक्कर में न पडक़र स्वच्छता मानकों एवं साफ-सफाई को अपनी सेहत के दृष्टिगत स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन को अपनी प्राथमिकता में रखें.

ईट राइट मूवमेंट अभियान तीन प्रमुख विषयों पर आधारित है- सुरक्षित खाएं, व्यक्तिगत और आसपास की स्वच्छता सुनिश्चित करें, स्वस्थ खाएं, आहार विविधता और संतुलित आहार को बढ़ावा दें एवं स्थानीय और मौसमी सब्जियों/भोजन को बढ़ावा दें, भोजन के नुकसान को रोकें .खाने-पीने के शौकीन अथवा महानगरों में नौकरी आदि के चलते कम मूल्य लागत वाला भोजन तलाशने वाले भारतीयों के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि स्वाद एवं सस्ते के चक्कर में न पड़ क़र स्वच्छता मानकों एवं साफ-सफाई को अपनी सेहत के दृष्टिगत स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन को अपनी प्राथमिकता में रखें. केवल अतिरिक्त सतर्कता और जागरूकता का पालन करने से ही हम अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित बना सकते हैं और अपमिश्रित एवं गंदी खाद्य सामग्री बेचने वालों के कुत्सित इरादों को परास्त कर सकते हैं. जहां तक केंद्र और राज्य सरकारों का सवाल है तो मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान के साथ-साथ अमला बढ़ाना भी जरूरी है.

नवरात्रि में कन्या पूजन से दैवीय शक्तियां होती हैं प्रसन्न

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

कुमारी पूजन भी देवी उपासना का एक अंग है नवरात्र में देवी के नौ स्वरूपोंकी आराधना की जाती है. नवरात्रि व्रत, यज्ञ, उत्सवों के अवसर पर कुमारी कन्याओंकी पूजा का बहुत महत्व माना जाता था. देवी भा0 पु0 के अनुसार अष्टमी के दिन दो से दस (2-10) वर्ष की कन्याओंका पूजन साक्षात दुर्गा पूजन होता है.

नवरात्र काल में वायुमंडल में दैवीय शक्तियों के स्पंदन अत्यधिक सक्रिय होते हैं तथा सूक्ष्म जगत के दिव्य प्रवाह भी इन दिनों वायुमंडल में तेजी से उभरते और मानवी चेतना को गहराई से प्रभावित करते हैं.

इसी कारण हमारे वैदिक ऋषियों ने इन संधिकालों की नवरात्रीय साधना में मां शक्ति की आराधना का विधान बनाया था. ऋषि कहते हैं कि मां आदिशक्ति का स्वरूप वस्तुत- शक्ति का विश्वरूप है और नवरात्र का अनुष्ठान शक्ति के साथ मर्यादा का अनुशासन और मां के सम्मान का संविधान. हमारे मनीषियों ने प्रतिपदा से लेकर नवमी तक आयोजित किये जाने वाले देवी आराधना के इस नौ दिवसीय साधनात्मक अनुष्ठान को कन्या पूजन से जोड़ कर इसे अधिक देवत्वपूर्ण बना दिया है. नौ कुमारी कन्याएं वस्तुत: नौ देवियों का प्रतिबिंब मानी जाती हैं. सनातन धर्म में कन्या पूजन की

परंपरा सदियों से चली आ ही है. श्रीमददेवी भागवत महापुराण में स्पष्ट कहा गया है कि कन्या भोज के बिना नवरात्र अनुष्ठान पूरा नहीं होता. देवी मां को जितनी प्रसन्नता कन्या भोज से मिलती है, उतनी प्रसन्नता हवन और दान से भी नहीं मिलती.

दो वर्ष से लेकर दस वर्ष की कन्या की पूजाकरनी चाहिए. देवी भागवत पुराण के अनुसार- कुमारी पूजन के लिए एक वर्ष की कन्या को कभी नहीं लेना चाहिए क्योंकि वह सभी प्रकार के पदार्थों से अज्ञात है.

एक-एक करके प्रतिदिन कन्याओं की संख्या बढ़ाते हुए नवें दिन नौ कन्याओं का पूजन करना चाहिए. अलग-अलग आयु की कन्याओं को पूजन सेअलग-अलग फल गाना था.

देवी भागवत पुराण के अनुसार- देवी के भिन्न-भिन्न नाम दिए हैं जैसे -

- दो वर्ष की कन्या को- कुमारी कहा जाता है. कुमारी पूजन के समय कहें- जो स्कन्द के तत्वों एवम् ब्रह्मादि देवताओं की भी लीलापूर्वक रचना करती है उस कुमारी देवी की हम पूजा करते हैं.
- तीन वर्ष की कन्या को- त्रिमूर्ति कहते हैं. द्वितीय पर त्रिमूर्ति का पूजन किया जाता है. त्रिमूर्ति के पूजन के समय कहें- जो सत्व आदि तीनों गुणों से तीन रूप धारण करती है तथा जो तीनों कालों में व्याप्त है उस त्रिमूर्ति देवी की हम आराधना करते हैं.
- चार वर्ष की कन्या को- कल्याणी कुंवारी कहा जाता है. तृतीया को कल्याणी कंजिका का पूजन करते हैं. कल्याणी कुवांरी के पूजन के समय कहें - निरन्तर पूजित होने पर साधकों का कल्याण करना जिनका स्वभाव है उन सभी मनोरथों को पूर्ण करने वाली देवी कल्याणी की स्तुति करते हैं.
- पाँच वर्ष की कन्या को- रोहिणी कुवांरी कहा जाता है. चतुर्थी पर राहिणी का ही पूजन किया जाता है. रोहिणी कुवांरी के पूजन के समय कहें - जो सम्पूर्ण प्राणियों के संचित बीजों का रोपण करती हैं उन माँ राहिणी की हम पूजा करते हैं.
- छ- वर्ष की कन्या को- कालिका के रूप में पूजा की जाती है. पाँचवें नवरात्र पर पूजन के समय कहें - जो देवी अखिल ब्रह्माण्ड को अपने में सगा लेता है उ. ली गों की सा रो.
- सात वर्ष की बालिका को- चण्डिका के रूप में पूजा जाता है एवम् ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु चण्डिका की साधना की जाती है . चण्डिका के पूजन के समय कहें - जिनका रूप अत्यधिक सुन्दर है इस देवी की हम साधना करते हैं.
- आठ वर्ष की कन्या को- शाम्भवी कुंवारी कहा जाता है . शाम्भवी कुंवारी के पूजन समय करें- वेद जिनके रूप हैं वे ही वेद जिनके प्रकाश सामना करती है. इस देवी की पूजन समय कहें- साधकों के संकट को दूर करने वाली दुर्गा देवीकी हम साधना करते हैं.
- दस वर्ष की कन्या को- सुभद्रा नाम से जाना जाता है सुभद्रा देवी का पूजन नवमी पर किया जाता है. साधना के समय कहें- जो पूजित होने पर साधकों का कल्याण करती है उनसुभद्रा देवी की हम साधना करते हैं. भक्ति में तत्पर होकर श्रीरस्तु इस मन्त्र से पूजन करें. पण्डित को मन्त्रोंसे सदा कन्याओं का पूजन का पूजन करना चाहिए. वस्त्र, अलंकार, मालाऔर उच्चावच गन्धों से पूजन करना चाहिए.

विंध्य की डायरी

कांग्रेस विधायक की एंट्री से मजार पर सियासत गरमाई

डॉ. रवि तिवारी

रीवा में इस समय राजनीतिक बयानबाजी एक दूसरे को लेकर चल रही है और अभी मामला शांत नही हुआ था कि एक नया मुद्दा खड़ा हो गया. शहर के अमहिया मोहल्ले में वर्षो पुराने मजार पर कथित अतिक्रमण को लेकर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है. दरअसल भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने आपसी सहमति और भाईचारे के साथ अवैध कब्जा हटाने की मांग सोशल मीडिया पर की जो सियासी गलियारो में चर्चा का विषय बन गई . अतिक्रमण हटाने के पीछे उनकी दलील थी कि मजार की वजह से सडक़ पर जाम लगता है. उसके बाद बयानबाजी का दौर शुरू हो गया. मजार के अतिक्रमण पर सियासत गरमाई और कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने पलटवार करते हुए कलेक्टर को पत्र लिखकर अपना विरोध जताया और एक नई बहस को जन्म दे दिया. इसके बाद अन्य कांग्रेस नेताओ की भी एंट्री हो गई और मामले को एक नया मोड़ देने का प्रयास किया जा रहा है. मजार के बहाने कांग्रेस के कुछ नेता भाजपा नेताओ को घेरने का प्रयास कर रहे है या यूं कहे कि इसे एक राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है. हालाकि भाजपा के बड़े नेता फिलहाल इस मामले में खुद को अलग रखते हुए चुप्पी साधे हुए है. अब मामला प्रशासन के पाले में है जो भी करना होगा वह प्रशासन करेगा.

....तो पिटते-पिटते बचे कांग्रेसी

बैढऩ कोतवाली में कांग्रेस के नेता एवं युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता सैकड़ो की संख्या में पहुंचे और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. जिसके बाद आनन-फानन थानो का बल पूरी तैयारी के साथ पहुंचा तो मामला बिगड़ता देख कांग्रेसी नौ दो ग्यारह हो गये. दरअसल महिलाओ पर हो रहे अत्याचार को लेकर युवा कांग्रेस बगैर अनुमति के मशाल जुलूस निकाल रहा था. जिस पर पहुंची पुलिस ने सभी को पकड़ कर थाने ले गई. फिर क्या था देखते ही देखते तमाम कांग्रेसी थाने पहुंच गए पर उन्हे नही पता था पुलिस पहले से तैयार खड़ी है. पुलिस का रौद्र रूप देख कांग्रेसी धीरे-धीरे खिसक लिये, नही तो पिट जाते.... संख्या भी इतनी नही थी कि पुलिस एक बार सोचती.

मैहर के नाम रिकार्ड दर्ज

माँ शारदा देवी की नगरी में गौरव दिवस सामूहिक राष्ट्रगान के साथ मनाया गया और एक नया रिकार्ड यहा दर्ज हुआ. 10 हजार से अधिक नागरिको ने राष्ट्रगान की धुन पर सामूहिक राष्ट्रगान का रिकार्ड बनाते हुए एशिया बुक आफ रिकार्ड में मैहर का नाम दर्ज कराया. पालक मंत्री की मौजूदगी में उत्साह पूर्वक राष्ट्रगान में लोग शामिल हुए. माँ शारदा देवी की सामूहिक महाआरती की प्रस्तुति मंच से की गई. जिले के गौरव दिवस का यह क्षण बेहद ऐतिहासिक और हमेशा-हमेशा के लिये इतिहास के पन्ने में दर्ज हो गया. सामूहिक राष्ट्रगान को लेकर हर कोई देश प्रेम की भावना से ओत-प्रोत था और एक गजब का उत्साह देखने को मिला. नवरात्रि के इस पावन अवसर पर माँ शारदा देवी की महाआरती देखने लायक थी.

विंध्य में आप ने बांटी जिम्मेदारी

विंध्य क्षेत्र में आप पार्टी ने अपने संगठन को और मजबूत बनाने के लिये नए जिला अध्यक्षो की नियुक्ति की है. एक साल बाद ऊर्जाधानी को जिलाध्यक्ष मिला है अभी तक यहां जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी नही दी गई थी. अब रतिभान साकेत को जिलाध्यक्ष बनाकर पार्टी ने जिम्मेदारिया सौपी है. देवसर से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके रतिभान संगठन को किस स्तर पर खड़ा करते है यह वक्त बताएगा. रीवा में भी राजीव सिंह शेरा को जिलाध्यक्ष के पद से पार्टी ने नवाजा है तो वही सतना में भी जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की गई है. लोकसभा चुनाव के बाद अब आप पार्टी संगठनात्मक ढ़ाचे पर जोर दे रही है.

प. एशिया में भारतीयों की सुरक्षा की चिंता

इजराइल की हमास, हिजबुल्लाह तथा ईरान सभी से खूनी जंग जारी है. ऐसी स्थिति में भारत को इस क्षेत्र में अपने आर्थिक हितों के अलावा वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा की चिंता होना स्वाभाविक है. इजराइल में लगभग 18,000 भारतीय रहते हैं तो ईरान में भी करीब 10,000 भारतीय हैं. समूचे पश्चिम एशिया में रहनेवाले भारतीयों की संख्या 90 लाख के आसपास है युद्ध और भड़का और लंबा चला तो बड़े भारतीय समुदाय की जान खतरे में पड़ सकती है. ये भारतीय वहां नौकरी कर भारत में अपने परिवार को पैसा भेजते हैं. इसके अलावा भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी तेल प. एशियाई देशों से आयात करता है. लड़ाई लंबी चलने पर तेल कीमतें बढ़ सकती हैं. प्रमुख अरब देश भारत में निवेश करने के इच्छुक हैं. युद्ध तीव्र होने पर इसमें बाधा आएगी. भारत के इजराइल के साथ ही अरब देशों से अच्छे संबंध हैं. वह भारत-मध्यपूर्व-पूर्वी यूरोप कोरिडोर की दिशा में काम कर रहा है. अशांति की वजह से उसमें भी बाधा आएगी. जहां तक सुरक्षा का मुद्दा है, इजराइल के तेज होते हमलों को देखकर जर्मनी ने अपने सारे नागरिकों को ईरान से वापस बुलवा लिया है. भारत के इजराइल व ईरान दोनों से रणनीतिक संबंध हैं. मोदी सरकार के दौरान इजराइल से रक्षा संबंध मजबूत हुए हैं. पाकिस्तान और चीन की नीयत देखते हुए यह कदम जरूरी था. अमेरिका, फ्रांस और रूस के साथ ही इजराइल भी भारत को रक्षा सामग्री प्रदान कर रहा है. भारत और इजराइल दोनों आतंकवाद को लेकर समान रूप से चिंतित हैं. कारगिल युद्ध में भारत को इजराइल ने मदद दी थी. उसके दिए लेजर गाइडेड बम से पाकिस्तानी फौज के ऊंचाई पर स्थित बंकरों को उड़ाया गया था. भारत ईरान से तेल खरीदता है. ईरान का चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक व आर्थिक दृष्टि से महत्व रखता है. पश्चिम एशिया संकट में भारत युद्धरत देशों से सिर्फ संयम की अपील कर सकता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

मुंबई-पुणे की महसूस नहीं होगी दूरी बस में साथ होगी शिवनेरी सुंदरी

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, आपने अब तक एयर होस्टेस या हवाई सुंदरी को देखा होगा, अब बस सुंदरी को देखिएगा. महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई से पुणे जानेवाली एमएसआरटीसी की बसों में 'शिवनेरी सुंदरी' की नियुक्ति करने का फैसला किया है. उसे देखकर आप गुनगुनाने लगेंगे- यूं ही कट जाएगा सफर साथ चलने में कि मंजिल आएगी नजर साथ चलने में.

हमने कहा, बस चलाने के लिए ड्राइवर और कंडक्टर काफी होते हैं. वहां सुंदरी की सेवाएं क्यों चाहिए? इससे तो एसटी का खर्च बढ़ जाएगा.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, सामान्य बसों की तुलना में शिवनेरी बस कम्फर्टेबल रहती है और उसका किराया भी ज्यादा होता है जिससे खर्च की भरपाई हो जाती है. जरा सोच कर देखिए कि यूनिफार्म में सजी स्मार्ट और खूबसूरत शिवनेरी सुंदरी नमस्कार करते हुए मुस्कुरा कर बस में आपका स्वागत करेगी और आपको बता देगी कि आपको किस सीट पर बैठना है. फिर कुछ देर बाद वह ट्राली लेकर

आएगी और आपकी पसंद के मुताबिक आरेंज ज्यूस, कोकाकोला, पेप्सी या कोई अन्य सॉफ्ट ड्रिंक सर्व करेगी. ऐसे में आपको भूतल पर ही एयर ट्रैवल की रॉयल फीलिंग आएगी.

हमने कहा, हमें तो यह सब बेकार के चोंचले लगते हैं. हवाई जहाज की बात अलग है. जब टेक ऑफ के बाद वह हवा में उड़ने लगता है तो उसमें आराम से चहलकदमी कर सकते हैं. बस में ऐसा नहीं होता. आपको मालूम होना चाहिए कि कंडक्टर को स्टैंड-एट- ईज या हमेशा पैर फैलाकर खड़े रहने की ट्रेनिंग दी जाती है. वह अटेंशन की मुद्रा में खड़ा होगा तो गिर जाएगा. सोचिए कि यदि शिवनेरी सुंदरी हाई हील पहन कर चलेगी तो बस का हिचकोला खाते ही गिर जाएगी.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आप फिजूल की चिंता मत कीजिए. शिवनेरी सुंदरी को बराबर ट्रेनिंग दी जाएगी. एयर होस्टेस यदि यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनने का तरीका सिखाती है तो शिवनेरी सुंदरी भी यात्रियों को बस के इमर्जेंसी डोर के बारे में बताएगी. यदि अन्य राज्यों से आए यात्रियों को महाराष्ट्र की संस्कृति व परंपरा से अवगत कराना है तो शिवनेरी सुंदरी को नाक में बड़ी सी नथ और नौवारी साड़ी पहनने को कहना चाहिए. वह यात्रियों को महाराष्ट्र के व्यंजन पूरणपोली, करंजी और चकली भी सर्व कर सकती हैं. हमने कहा, अभी से कल्पना मत कीजिए. चाहें तो अपने सुझाव परिवहन मंत्री को भेज दीजिए.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11687

-डॉ. सागर खादीवाला

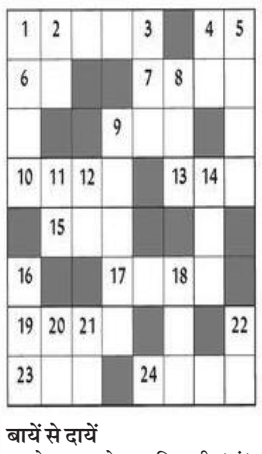

बायें से दायें

1. सेना का छोटा अधिकारी (सं.) 4. आदत, बान, सजधज, वाणी 6. समझ, बुद्धि 7. भीगा हुआ, तर, कीचड आदि से सना हुआ 8. जिसका कोई नाम न हो 10. प्रदर्शन, दिखावा, वह मेला जहां अनूठी वस्तुए प्रदर्शनार्थ अनेक स्थानों से आती है (उर्दू) 13. नष्ट करना, फेकना, लाघना 15. चतुराई, धूर्तता 17. प्रेमपात्र, मित्र (उर्दू) 18. सज्जनता, भलमनसाहत (उर्दू) 23. हिलाए, तरंग 14. अपमान, निरादर

ऊपर से नीचे

1. स्वर्ग की गाय जो सब कामनाओं की पूर्ति करने वाली मानी जाती है 2. कामदेव की पत्नी 3. सुन्दर स्त्री, कामिनी, जीभ 4. पिता, जनक 5. पानी छन जाना, किसी तरल पदार्थ या पानी का स्थिर होना जिससे उससे मट्टी या मैल नीचे बैठ जाए 8. रुकना, ठहरा रहना 9. मूल्यवान, बहुमूल्य (उर्दू) 11. छोटी खाट या बडी मनिया 12. पृथ्वी, पार्वती, सरस्वती (सं.) 14. निकृष्ट, पतित, बुरा, बिगड़ा हुआ (उर्दू) 16. निपुण, प्रवीण 18. समझना, जानना, पहेली का उत्तर निकालना 20. मार्ग, रास्ता 21. रोएदार चमड़ा जो गर्म कपडे बनाने तथा अन्य उपयोग में आता है 22. कोलाहल, जोर की आवाज, धूम, प्रसिद्धि (उर्दू)

Solution 11686

प्र	जा	प	ति		पा	क	
मा	ल		ल	स	ल	सा	ना
ण		चा	ह		क	व	च
प	ह	चा	न	ना		ट	
त्र	स्त			ला	वा		ब
	शि	वा	ल	य		आ	ग
अ	ल्प		ल	क	ड	दा	दा
ग्र		जी	न			न	द

ज्योतिषाचार्य पं. नारायणशंकर नाथूराम व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में पारिवारिक तनाव रहेगा. मन और मस्तिष्क में चिन्ता रहेगी. स्वास्थ्य कष्ट होगा, और परेशानी में वृद्धि होगी. वर्ष के मध्य में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, पूर्व निर्धारित कार्यो में सफलता के योग है. वर्ष के अन्त में सामाजिक कार्यो में ख्याति प्राप्त होगी. वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में सफलता प्राप्त होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक तनाव रहेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को स्वास्थ्य स्वास्थ्य कष्ट होगा. सामाजिक ख्याति प्राप्त होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित कार्यो में सफलता के योग है. सिंह राशि के व्यक्तियों को यथेष्ठ सतर्कता बांछनीय. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को पूव निर्धारित कार्यो में अधिकाकारियों का सहयोग लेना पड़ेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य सुन्दर, एवं अच्छे विचारों का होगा. शरीर से दुबला पतला फुर्तीला होगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. बचपन में निमोनिया आदि से तकलीफ होगी. किसी विशेष कला का ज्ञाता होगा. भाग्योन्नति जन्म स्थान से दूर होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

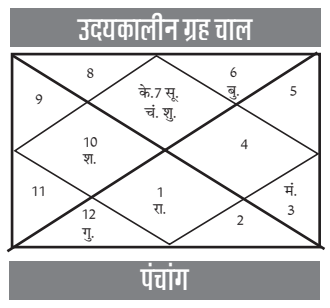

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2081 आश्विन शुक्ल चतुर्थी चन्द्रवासरे प्रात: 6/16, अनुराधा नक्षत्रे रात 11/55, आयुष्मान योगे रातअंत 5/32, विष्टि करणे सू.उ. 6/10 सू.अ. 5/50, चन्द्रचार वृश्चिक, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल चतुर्थी को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अरंडी, बिनोला, मूँगफली, घी तेल के भाव में तेजी होगी. रूई, कपास, सूत, व लकड़ी से बनी वस्तुओं में तेजी का रूख रहेगा. भाग्यांक 4221 है.

मेष- सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह लाभदायक रहेगी. महत्वपूर्ण कार्यो की रूपरेखा बन सकती है.

वृषभ- आपके साहस एवं पराक्रम में वृद्धि होगी. कामकाज कल पर न टालें. किसी पर अधिक भरोसा करना हानिकारक रहेगा. धार्मिक कार्य बनेगा.

मिथुन- कारोबारी विस्तार की संभावना है. प्रापर्टी के कार्योमें सावधानी रखें. किसी अजनबी से मुलाकात लाभदायक सिद्ध होगी.

कर्क- विपरीत स्थिति को अपने लिये अनुकूल बना लेंगे. विद्या के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आर्थिक एवं व्यापारिक कामकाज होगा. पारिवारिक यात्रा होगी.

सिंह- सामूहिक कार्यों में सबकी सलाह लेकर आगे बढ़ें. विरोधी वर्ग उग्र रूप धारण कर सकते हैं. लाभदायक काम बनने का योग है.

कन्या- कार्य क्षेत्र में समझौता करना लाभदायक रहेगा. विवादित मामले सुलझने के आसार हैं. सुख, सम्मान, प्रतिष्ठा बढेगी. दुविधा दूर होगी.

तुला- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं, सहयोगी आपकी मेहनत का लाभ उठायेंगे. धार्मिक कार्य की रूपरेखा बनेगी. मित्रों की मदद करेंगे.

वृश्चिक- पारिवारिक मित्रों से मुलाकात सुखद रहेगी. वैभव के सामान पर खर्च होगा. वाहन चलाने में सावधानी रखें. लापरवाही से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

धनु- रूखे व्यवहार से मित्र वर्ग नाराज हो सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. उच्च अध्ययन एवं अध्यापन का योग है. कामकाज में व्यस्तता रहेगी.

मकर- आय के साधनों में वृद्धि होगी. किसी नये कार्य की योजना बनेगी. जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसानदायक हो सकता है.

कुम्भ- कानूनी मामले में आपका पक्ष मजबूत होगा. अनुभव का लाभ मिलेगा. पारिवारिक कार्यो में समय का ध्यान रखकर कार्य करना लाभदायक रहेगा.

मीन- धीमी गति से चल रही योजनाओं पर ध्यान दें. दौड़धूप अधिक होगी. लाभ मिलेगा. यश मिलेगा. कामकाज बनने से प्रसन्नता होगी.

SUDOKU 6819

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 6818

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1